समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 19 August 2026

6 रन की कीमत 3 विकेट... जोश हेजलवुड ने टी20 मैच को बना दिया टेस्ट, गिल, सूर्या, तिलक, सैमसन सबको पिला दिया पानी

Publisher

Published on 31 Oct 2025

मेलबर्न के ऐतिहासिक मैदान पर भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जा रहे दूसरे टी20 मुकाबले में एक ऐसा नजारा देखने को मिला जिसने दर्शकों को हैरान कर दिया। यह टी20 मुकाबला कुछ समय के लिए टेस्ट मैच जैसा लगने लगा, और इसकी वजह थे ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज **जोश हेजलवुड**, जिन्होंने अपने घातक स्पेल से भारतीय बल्लेबाजों को झकझोर कर रख दिया। उन्होंने सिर्फ 6 रन देकर 3 विकेट झटक लिए और भारत की बल्लेबाजी को जैसे थमा दिया।

भारतीय टीम ने पहले मैच में जिस तरह दमदार प्रदर्शन किया था, उसी आत्मविश्वास के साथ मेलबर्न में उतरी थी। लेकिन हेजलवुड ने अपने पहले ही ओवर से संकेत दे दिया कि आज का दिन बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं रहने वाला। शुरुआती ओवरों में उनकी स्विंग और लाइन-लेंथ इतनी सटीक थी कि बल्लेबाजों को रन लेने के लिए भी संघर्ष करना पड़ा।

शुभमन गिल, जिन्हें भारत की नई पीढ़ी का भरोसेमंद ओपनर माना जाता है, हेजलवुड की तेज गेंद पर पूरी तरह चकमा खा गए। गेंद ऑफ स्टंप के बाहर से अंदर की ओर आई और गिल ने गलती से बल्ला बढ़ाया। नतीजा — सीधा कैच स्लिप में। इसके बाद हेजलवुड ने अपने अगले ओवर में **सूर्यकुमार यादव** को आउट कर भारत की उम्मीदों को बड़ा झटका दिया। सूर्या का बल्ला टी20 फॉर्मेट में जितना खतरनाक होता है, आज उतना ही खामोश नजर आया। हेजलवुड ने उनकी कमजोरी को पहचानते हुए उन्हें बार-बार बाहर जाती गेंदों पर खेलने को मजबूर किया, और अंततः विकेटकीपर ने शानदार कैच लपका।

तीसरा शिकार बना युवा बल्लेबाज **तिलक वर्मा**, जो अपनी ताजगी भरी बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। हेजलवुड की एक बाउंसर पर उन्होंने पुल शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले के ऊपरी हिस्से से लगकर हवा में चली गई और फील्डर ने कैच लपक लिया। तीन ओवरों में 6 रन देकर 3 विकेट का ये स्पेल टी20 मैच को टेस्ट मैच जैसा बना गया।

हेजलवुड के गेंदबाजी का सबसे खास पहलू उनका अनुशासन था। उन्होंने न तो कोई अनावश्यक रन दिए, न ही कोई ढीली गेंद

फेंकी। पिच में थोड़ी नमी का फायदा उठाते हुए उन्होंने हर गेंद को एक योजना के तहत फेंका। भारतीय बल्लेबाज उनकी गेंदों की दिशा और स्विंग को समझ ही नहीं पाए।

संजू सैमसन भी हेजलवुड की गेंदों के सामने संघर्ष करते नजर आए। कुछ समय तक टिकने के बाद वह भी एक अंदर आती गेंद पर बोल्ड हो गए। वहीं, अक्षर पटेल और ऋतुराज गायकवाड़ ने कोशिश तो की लेकिन रन बनाने की गति काफी धीमी रही। भारत का स्कोरबोर्ड जैसे रुक-सा गया था।

ऑस्ट्रेलिया के बाकी गेंदबाजों ने भी हेजलवुड के बनाए माहौल का पूरा फायदा उठाया। एडम जाम्पा और पैट कमिंस ने बीच के ओवरों में भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा। वहीं, मेलबर्न की ठंडी हवाओं और थोड़ी नमी ने भी गेंदबाजों की मदद की।

हेजलवुड के इस शानदार प्रदर्शन के बाद क्रिकेट जगत में उनकी तारीफ हो रही है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर शेन वॉटसन ने कमेंट्री में कहा, "जोश हेजलवुड का यह स्पेल टी20 इतिहास में याद रखा जाएगा। उन्होंने दिखा दिया कि किस तरह अनुशासित गेंदबाजी किसी भी फॉर्मेट में बल्लेबाजों पर हावी हो सकती है।"

भारतीय फैंस के लिए यह झटका था, लेकिन यह प्रदर्शन टीम इंडिया के लिए एक सीख भी बन सकता है। टी20 फॉर्मेट में भी टेस्ट जैसी गेंदबाजी का सामना करने के लिए धैर्य और तकनीक दोनों की जरूरत होती है। हेजलवुड ने यह साबित कर दिया कि गेंदबाज अगर अपनी लाइन-लेंथ पर कायम रहे, तो किसी भी बल्लेबाज को रोक सकता है — चाहे वह गिल हो, सूर्या हो या सैमसन।

मेलबर्न की पिच ने हेजलवुड को भरपूर साथ दिया, लेकिन उनकी गेंदबाजी का कमाल सिर्फ पिच तक सीमित नहीं था। उन्होंने जिस अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ गेंदबाजी की, वह किसी भी टी20 मैच को '**मिनी टेस्ट**' में बदल सकता है।

कुल मिलाकर, जोश हेजलवुड ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि क्रिकेट में फॉर्मेट चाहे जो हो, क्लास हमेशा कायम रहती है। उनकी 6 रन पर 3 विकेट की गेंदबाजी ने भारत को मुश्किल में डाल दिया और मेलबर्न के दर्शकों को एक ऐसा प्रदर्शन देखने को मिला, जो टी20 के इतिहास में लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.